सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, शनिवार, 15 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 304, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड नगर आयुक्त कैंप कार्यालय में भ्रष्टाचार का काला... » Pg03

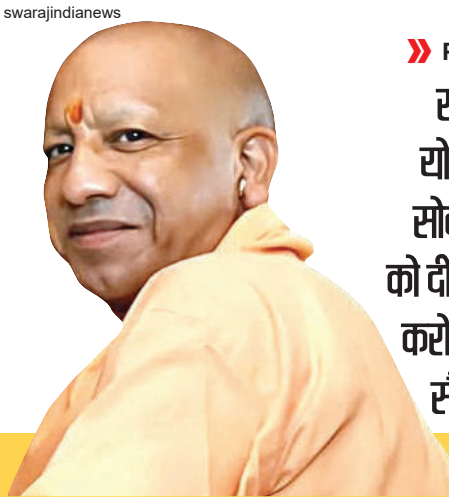

» Pg12

सीएम योगी ने सोनभद्र को दी 548 करोड़ की सौगात

श्रीनगर के नौगांव में दिल्ली जैसा खौफनाक मंजर

पुलिस स्टेशन में ब्लास्ट नौ की मौत, 27 घायल!

इसी थाने ने किया था आंतकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, धमाके के बाद धधकते रहे वाहन, जैश से जुड़े आतंकी समूह ने ली जिम्मेदारी

» फरीदाबाद से जब्त विस्फोटक के नमूने लेने के दौरान रात करीब 11:22 बजे धमाका।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में शुक्रवार रात को एक भयानक विस्फोट हो गया। इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 29 लोग अभी भी घायल हैं। इन घायलों में ज्यादातर पुलिसकर्मी शामिल है। फिलहाल शवों की पहचान की जा रही है और घायलों का इलाज चल रहा है। दुर्घटना में मारे गए लोगो में एक इंस्पेक्टर, 3 फॉरेंसिक टीम मेंबर, 2 क्राइम ब्रांच फोटोग्रॉफर, 2 राजस्व अधिकारी और एक दर्जी शामिल था। नौगाम पुलिस ने फरीदाबाद से व्हाइट-कॉलर आतंकी मॉड्यूल मामले में जो विस्फोटक जब्त किया था उसके नमूने लेने के दौरान रात करीब 11:22 बजे यह ब्लास्ट हो गया। लेकिन अब इस मामले में नया मोड़ सामने आया है क्योंकि जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े पीपुल्स एंटी फासीस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) नामक एक आतंकी ग्रुप ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

मारे गए फोटोग्राफर के परिवार ने सरकार से न्याय की मांग की

पुलिस स्टेशन में हुए विस्फोट में मारे गए फोटोग्राफर के परिवार के एक सदस्य ने बताया कि विस्फोट में मारे गए अर्शीद अहमद शाह परिवार के एकमात्र कमाने वाले थे और उनके बड़े भाई की मौत भी सड़क हादसे में हुई थी। उन्होंने बताया कि घटना से परिवार के सभी लोग शोक में हैं और उन्होंने सरकार से इस घटना की जांच और न्याय की मांग की। उन्होंने सरकार से परिवार को सहायता देने की भी अपील की।

शुरुआत से ही इस मामले की जांच आतंकी एंगल से भी की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, विस्फोटक में धमाका उसे ट्रिगर करने पर ही होता है। विस्फोटक में डेटोनेटर और फ्यूज मिला कर ही ब्लास्ट किया जा सकता है। लेकिन पुलिस स्टेशन में सिर्फ जब्त किया गया अमोनियम नाइट्रेट था। ऐसे में बिना छेड़छाड़ के इसमें धमाका होना आंतकी साजिश के दावों को हवा देने वाला है। इसके बाद पीएएफएफ के इसकी जिम्मेदारी लेने से मामला और गर्मा गया है। हालांकि अभी इस बात की पुष्टि होना बाकि है और इससे पहले यह दावें के साथ नहीं कहा जा सकता की यह एक आतंकी हमला है। वहीं जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात ने भी कहा है कि यह घटना एक हादसा थी।

वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल का यहीं हुआ था पर्दाफाश

इस वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल का खुलासा करने वाला भी नौगाम पुलिस स्टेशन ही है जहां यह धमाका हुआ है। इसी पुलिस स्टेशन ने श्रीनगर में जैश के पोस्टर पकड़े थे जिसके बाद इस पूरे टेरर ग्रुप का भंड़ाफोड़ हुआ। यह थाना इस पूरी जांच के केंद्र में था। इस मामले की अलग अलग एंगल से जांच की जा रही है। इसमें अमोनियम नाइट्रेट को

सीसीटीवी में कैद हुआ विनाशकारी पल

ब्लास्ट की यह घटना पुलिस स्टेशन के पास में मौजूद घर के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। इन सीसीटीवी फुटेज से इन धमाके की भयानकता का पता लगाया जा सकता है। इस फुटेज में देखा जा सकता है कि धमाके के बाद आसपास के इलाके में जोर से कंपन हुआ। पास के घरों में लगी खिड़कियां भी जोर जोर से बजने लगीं। इसी तरह के एक अन्य फुटेज में दमकल कर्मी (फायर फाइटर्स) धमाके के चलते फैली आग की लपटों से लड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि धमाके वाली जगह से भारी धुआं उठता हुआ दिख रहा है।

दिल्ली धमाकों के बाद रामपुर में भी रडार पर आए संदिग्ध

चंद गद्दारों की वजह से आतंक के आकाओं के दहशत फैलाने के मंसूबे कामयाब हो जाते हैं। खुफिया तंत्र और सुरक्षा एजेंसियां ऐसे ही गद्दारों का नेटवर्क ध्वस्त करने में जुट गई हैं। दिल्ली में लालकिले के पास हुए धमाकों के बाद से हाई अलर्ट खुफिया तंत्र रामपुर में संदिग्ध खुफिया तंत्र के रडार पर हैं। आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार कासिम और पाकिस्तान के लिए जासूसी करने में गिरफ्तार शहजाद का नेटवर्क खंगाला जा रहा है।

प्रतिबंधित स्विस एप से जुड़ रहे दिल्ली-श्रीनगर धमाके के तार

सील और उसे हैंडल करने में हुई चूक की वजह से विस्फोट होने की भी जांच हो रही है तो आंतकी साजिश के एंगल से भी सभी पहलूओं की जांच की जा रही है।

पुलिस के एक बड़े अधिकारी ने कहा है कि डॉ उमर जिस कार से दिल्ली में दाखिल हुआ था, उसके पीछे की सीट पर एक बड़ा बैग रखा हुआ था, माना जा रहा है कि उसमें आमोनियम नाइट्रेट के जखीरे का हिस्सा था, जो फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल से 350 किलो की मात्रा में जब्त किया गया। अब तक हुई जांच में उमर, शाहीन और मुजम्मिल के बीच हुई चैटिंग से जो मेटाडेटा खंगाला गया है, उसकी पड़ताल चल रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने कहा है कि यह इस तरह का ऐप है, जिससे सीमित जानकारी ही मिल पा रही है। यह स्विस ऐप स्विट्जरलैंड की एक कंपनी की है। इस विदेशी ऐप को भारत में 2023 में ही बैन कर दिया गया था। लेकिन, संदिग्धों ने शायद अपना लोकेशन छिपाते हुए इसके उपयोग के लिए वीपीएन नेटवर्क का इस्तेमाल किया।

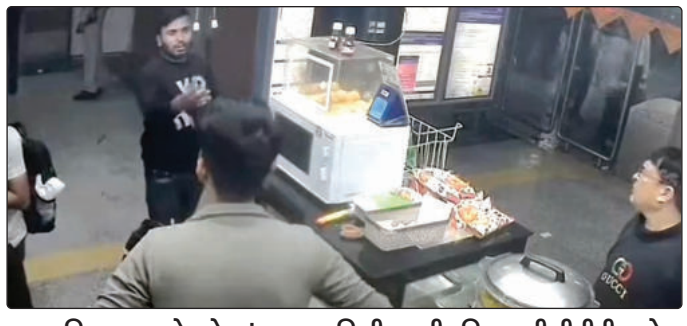

लाल किला धमाके से अंदर तक हिली धरती, मिला सीसीटीवी फुटेज

दिल्ली के लाल किले के पास हुए भीषण कार ब्लास्ट से पहले और बाद के पलों की एक नई सीसीटीवी फुटेज सामने आई है, जिसने धमाके की तीव्रता और उसके प्रभाव को बेहद स्पष्ट कर दिया है। यह फुटेज लाल किला मेट्रो स्टेशन के अंदर लगे सर्विलांस कैमरों से प्राप्त हुई है। फुटेज में शुरू में यात्रियों की सामान्य आवाजाही दिखती है। कुछ ही सेकंड बाद एक तेज कंपन और झटके के साथ पूरा स्टेशन हिलता दिखाई देता है।

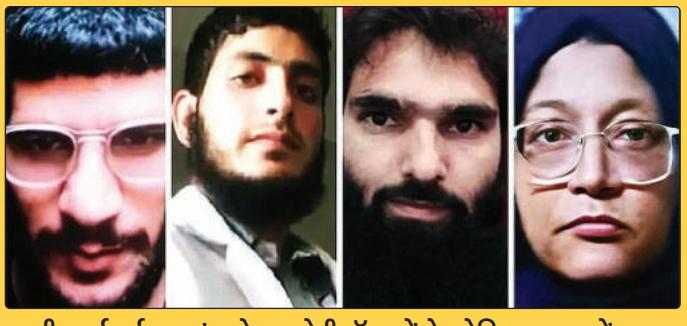

बड़ी कार्रवाई, आतंक के आरोपी डॉक्टरों के मेडिकल लाइसेंस रद्द

दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए शक्तिशाली कार विस्फोट मामले में शामिल चार डॉक्टरों की डॉक्टरी की राह हमेशा के लिए बंद हो गई है। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने कल शुक्रवार को इनके नाम आधिकारिक रजिस्टर से हटा दिए, जिसके बाद ये डॉक्टर अगले आदेश तक मरीजों का इलाज नहीं कर पाएंगे। कोर्ट से दोषी ठहराए जाने पर ये कभी इस पेशे में वापसी नहीं कर सकेंगे।

कानपुर आए देशभर के कुत्ते

मोतीझील ग्राउंड में राष्ट्रीय डॉग शो का हुआ भव्य आगाज़, मेयर प्रमिला पांडे ने किया उद्घाटन

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मोतीझील आज सुबह एक विशेष उत्साह के साथ चमक उठा, जहां देश के विभिन्न राज्यों से आए खूबसूरत, प्रशिक्षित और दुर्लभ नस्लों के श्वानों ने राष्ट्रीय श्वान प्रदर्शनी में अपना आकर्षक प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मेयर प्रमिला पांडे ने किया। फीता काटकर शो की औपचारिक शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम हैं, बल्कि पशु कल्याण, वैज्ञानिक पालन-पोषण और जनसुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

श्वान प्रदर्शनी में अनेक नस्लों के कुत्तों ने अखाड़े में अपनी फुर्ती, प्रशिक्षण और व्यवहार से दर्शकों का मन मोह लिया। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई मंच पर दौड़ते इन आकर्षक श्वानों को देखकर उत्साहित नजर आया। आयोजकों के अनुसार इस बार प्रतिभाग करने वाले श्वानों की संख्या और गुणवत्ता, दोनों रिकॉर्ड स्तर पर रही।

सीवीओ डॉ आरके निरंजन ने बताया कि कार्यक्रम में विजेता श्वानों को आकर्षक ट्रॉफियाँ, पदक तथा केनल क्लब ऑफ इंडिया की ओर से योग्यता प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए।

वहीं, नगर निगम की ओर से सभी पालतू और निराश्रित श्वानों के लिए नि:शुल्क रेबीज़ रोधी टीकाकरण, स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्थल पर ही पंजीकरण की व्यवस्था की गई, जिसका कुत्ता मालिकों और पशु प्रेमियों ने भरपूर लाभ उठाया।नगर निगम की पहल के तहत पंजीकृत पालतू श्वानों के मालिकों को कुत्ता आहार, कृमिनाशक दवाएँ और आपातकालीन औषधि किट वाला विशेष उपहार पैक भी प्रदान किया गया।

इसी क्रम में आवारा और असहाय श्वानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निगम ने इस सर्दी नि:शुल्क कुत्ता गद्दे वितरण की योजना भी शुरू की, जिसकी पशु प्रेमी संगठनों ने सराहना की।

मोतीझील में आयोजित यह राष्ट्रीय श्वान प्रदर्शनी कानपुर में पशु कल्याण और मानवीय संवेदनाओं को नई दिशा देती दिखाई दी। पूरे दिन लोगों की भारी भीड़ उमड़ी और कार्यक्रम उत्साह, रोमांच तथा ऊर्जा से भरपूर रहा।

नगर आयुक्त कैंप कार्यालय में भ्रष्टाचार का काला साया!

» दो बाबू शिकायतों के घेरे में, निगम दबा रहा फाइल

» जनसुनवाई पोर्टल पर हुई शिकायत में लगे गंभीर आरोपों पर भी कार्रवाई नहीं

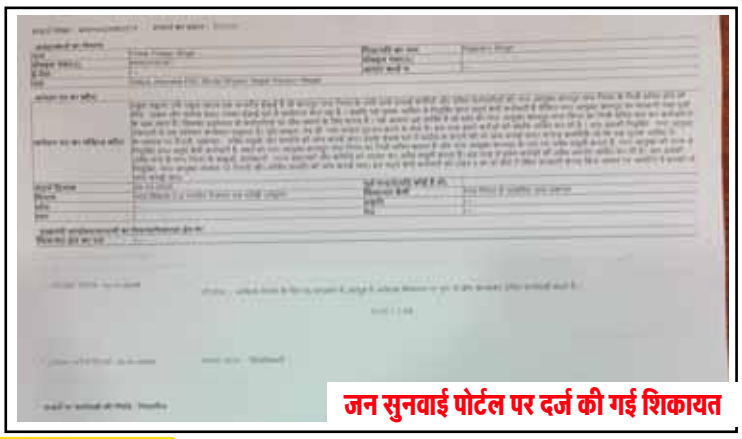
जन सुनवाई पोर्टल पर दर्ज की गई शिकायत

लिपिक राहुल चौहान

लिपिक रूपेंद्र

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

कानपुर। नगर निगम कानपुर के कैंप कार्यालय में तैनात दो लिपिकों में राहुल चौहान और रूपेन्द्र कुमार पर लगे भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग और अवैध वसूली के आरोप लगातार गहराते जा रहे हैं, लेकिन निगम का रवैया शुरुआत से ही ढुलमुल बना हुआ है। जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज शिकायत में जितने गंभीर आरोप हैं, उतनी ही गंभीर है नगर निगम की चुप्पी।

शिकायतकर्ता विवेक प्रताप सिंह ने ऑनलाइन शिकायत (संदर्भ संख्या 40016425082275) में खुलकर आरोप लगाए हैं कि दोनों लिपिक खुद को नगर आयुक्त का निजी सचिव बताकर कर्मचारियों पर दबाव बनाते हैं।

राहुल चौहान के पास नगर आयुक्त का सरकारी मोबाइल नंबर रहने की बात सामने आई है, जिसका वह धौंस जमाने में इस्तेमाल करता है।

दोनों पर 1प्रतिशत कमीशन वसूली, फाइल पुटअप के नाम पर 500 रुपये प्रति फाइल लेने और करोड़ों की अवैध संपत्ति जुटाने के आरोप हैं। रूपेन्द्र को दो बीघे क्षेत्र में फैला टाइप-05 सरकारी बंगला किस आधार पर दिया गया, यह भी बड़ा सवाल है।

शिकायत में यहां तक आरोप है कि कर्मचारियों का धर्मांतरण कराने की कोशिश भी की जा रही है।इतने विस्फोटक आरोपों के बाद भी नगर निगम की तरफ से न कोई तत्काल जांच, न तथ्य जुटाने का प्रयास सब कुछ फाइलों में दबा दिखाई दे रहा है।

निगम का जवाब- साक्ष्य नहीं, इसलिए मामला हल्का!

नगर निगम के कार्मिक प्रभारी अधिकारी ध्रुव नारायण यादव ने जिलाधिकारी को

भेजे पत्र में कहा है कि शिकायतकर्ता ने कोई प्रमाणिक साक्ष्य या शपथ पत्र नहीं दिया। इसलिए आरोपों की पुष्टि संभव नहीं। दोनों कर्मचारी लिपिक पद पर विधिवत नियुक्त हैं, न कि चतुर्थ श्रेणी

आवास और तैनाती नगर आयुक्त की स्वीकृति से हुई।

निगम की चुप्पी पर अधिकारियों पर उंगली उठनी तय !

इस पूरे मामले पर नगर निगम की चुप्पी अब खुद कई सवालों को जन्म दे रही है। क्या दोनों लिपिकों का संरक्षण किसी बड़े पद से मिल रहा है? क्या नगर आयुक्त कैंप कार्यालय ऐसी जगह है जहाँ जांच पहुंच ही नहीं सकती? क्या जनसुनवाई पोर्टल का इस्तेमाल सिर्फ कागजी खानापूर्ति के लिए हो रहा है?निगम प्रशासन पर यह भी आरोप लग रहा है कि शिकायत को साक्ष्य नहीं हैं कहकर धीरे-धीरे ठंडे बस्ते में डालने की कोशिश की जा रही है।

जिलाधिकारी की भूमिका अब अहम

अब मामला जिले के सर्वोच्च अधिकारी जिलाधिकारी के पास भेजा गया है। पूरा शहर निगाहें लगाए बैठा है कि क्या डीएम स्वतंत्र जांच का आदेश देंगे या नगर निगम की रिपोर्ट पर भरोसा करते हुए शिकायत को बंद कर दिया जाएगा?हालांकि इस पूरे प्रकरण को लेकर लिपिक राहुल चौहान और रूपेंद्र से बात की गई तो उन्होंने कहा कि यह शिकायत पूरी तरह से फर्जी है उन्हें बदनाम करने के लिए इस तरह का आरोप लगाए गए हैं।

सवाल ये है कि क्या भ्रष्टाचार के आरोप पर प्राथमिक जांच शुरू करने के लिए शिकायतकर्ता की ओर से साक्ष्य का पुलिंदा देना जरूरी है? क्या शिकायत भर दर्ज होने पर भी निगम की जिम्मेदारी नहीं बनती?

गेमिंग एप के जरिए डॉ. आरिफ और आतंकी डॉ. उमर की होती थी बात

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जांच एजेंसियों को दिल्ली विस्फोट के संदिग्ध डॉ. आरिफ मीर के एप्पल टैबलेट की जांच में, विस्फोट में मारे गए डॉ. उमर से गेमिंग एप के चैट के जरिए बातचीत होने के प्रमाण मिले हैं। साथ ही, उनके व्हाट्सएप में देश के नामी अस्पतालों के डॉक्टरों वाले कई ग्रुप भी मिले हैं, जिससे जांच का दायरा और बढ़ गया है।कानपुर कार्डियोलॉजी के डॉ. आरिफ मीर की दिल्ली विस्फोट में मारे गए डॉ. उमर से गेमिंग एप के जरिये बातचीत होती थी। यह जानकारी जांच एजेंसियों को उसके एप्पल के टैबलेट की जांच के बाद हुई। डॉ. आरिफ के वॉट्सएप में कई ग्रुप भी मिले हैं, जिनमें देश के नामी सरकारी और निजी अस्पतालों के डॉक्टर जुड़े हुए हैं।

कॉर्डियोलॉजी में फैकल्टी-छात्रों का विजिलेंस वेरिफिकेशन भी होगा

सूत्रों के मुताबिक, एनआईए, एटीएस और यूपी एसटीएफ की विशेष टीम ने डॉ. आरिफ मीर को उठाने के साथ ही उसके कमरे से टैबलेट और दो मोबाइल भी कब्जे में लिए थे। एक मोबाइल डॉ. आरिफ के साथ पहले ही मिल गया था। तीन मोबाइल में से एक की-पैड वाला मोबाइल है।

कई की व्यक्तिगत चैट और वाइस कॉल भी

सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसियों को डॉ.आरिफ मीर के टैबलेट में कई गेमिंग एप हैं, जिसमें डॉ. उमर के साथ बातचीत होने के प्रमाण मिले हैं। इस एप से जुड़े हुए लोगों की तलाश की जा रही है। डॉ. आरिफ के वॉट्सएप नंबर में कई ग्रुप मिले हैं।

इसमें देश के नामी अस्पतालों के डॉक्टरों के नंबर हैं। कई की व्यक्तिगत चैट और वाइस कॉल भी है। टीम ने उन अस्पतालों से भी जानकारी जुटा रही है।

सभी डॉक्टरों, रेजीडेंट और कर्मियों का डाटा ले गई जांच एजेंसी

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के सभी डॉक्टरों, रेजीडेंट और कर्मचारियों का डाटा जांच एजेंसी ले गई है। जांच एजेंसी ने उन फैकल्टी की जानकारी जुटाई जो बिना सूचना दिए मेडिकल कॉलेज को छोड़कर चले गए। टीम को कॉलेज की ओर से आठ ऐसे फैकल्टी की जानकारी दी गई, जिन्होंने 2006 या इसके बाद मेडिकल कॉलेज ज्वाइन किया और बाद में बिना जानकारी दिए छोड़कर चले गए।

इन डॉक्टरों को 2021 में शासन ने डॉ.शाहीन के साथ बर्खास्त भी कर दिया था।

टीम का जोर इनकी अधिक से अधिक जानकारी जुटाने में रहा। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज से 55 क्लर्क सहित 275 कर्मचारी, 240 फैकल्टी, 525 रेजीडेंट, करीब 1200 एमबीबीएस स्टूडेंट की जानकारी टीम को कॉलेज प्रबंधन ने दी है। टीम ने इनके नाम, पिता का नाम, पता और मोबाइल नंबर लिए हैं।

कार्डियोलाजी में भी निदेशक प्रो. राकेश वर्मा की ओर से सभी फैकल्टी, सीनियर, जूनियर इंटर्न की जानकारी जुटाई जा रही है। इसके लिए शुक्रवार को निदेशक की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कमेटी बनाई गई। इसमें डॉ. उमेश्वर पांडेय, डॉ. नीरज, डॉ. माधुरी और सीएमएस डॉ. ज्ञानेंद्र शामिल हैं। कमेटी अपने स्तर से छात्रों के प्रपत्रों की जांच करेगी। इसके बाद पुलिस वेरिफिकेशन और फिर विजिलेंस वेरिफिकेशन भी किया जाएगा।

प्रदेशव्यापी हुंकार के बीच बिल्हौर में लेखपालों का जोरदार प्रदर्शन

वेतन व पदोन्नति समेत आठ सूत्री मांगों पर सरकार से दो-टूक कार्रवाई की मांग

» तहसील समाधान दिवस का बहिष्कार कर लेखपालों ने दो बजे तक दिया धरना।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। प्रदेशभर में लेखपालों के चल रहे धरना-प्रदर्शन की श्रृंखला के तहत शनिवार को बिल्हौर तहसील के लेखपाल भी आंदोलन में शामिल हो गए। संपूर्ण समाधान दिवस का बहिष्कार कर उन्होंने नई तहसील भवन में शांतिपूर्ण धरना देकर अपनी आठ सूत्री लंबित मांगों पर तत्काल निर्णय की मांग उठाई। आंदोलन के चलते तहसील का नियमित कामकाज प्रभावित रहा। जिलाध्यक्ष मोहित सचान, तहसील अध्यक्ष जितेन्द्र यादव और महामंत्री सुनील चौधरी के नेतृत्व में जुटे लेखपालों ने आरोप लगाया कि ग्रेड पे संशोधन, एसीपी लाभ, भत्तों में बढ़ोतरी, पेंशन व वेतन विसंगतियों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे सरकार और विभागीय स्तर पर वर्षों से लंबित पड़े हैं, जिससे कर्मचारियों में गहरा आक्रोश है।

जिला अध्यक्ष मोहित सचान व खंड मंत्री सर्वेश ने कहा कि पूरे प्रदेश में लेखपाल अपनी जायज़ मांगों पर एक स्वर में आवाज़ उठा रहे हैं। सरकार की चुप्पी कर्मचारियों में असंतोष बढ़ा रही है। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। धरने के बाद तहसील अध्यक्ष व महामंत्री संपूर्ण समाधान दिवस स्थल पर पहुँचे और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम संजीव दीक्षित व तहसीलदार अनुभव चंद्रा को सौंपा। ज्ञापन सौंपने के बाद धरना समाप्त किया। संघ ने साफ कहा कि जब तक ठोस कदम नहीं उठाए जाते, तब तक प्रदर्शन की श्रृंखला जारी रहेगी।

इस दौरान पूर्व तहसील अध्यक्ष ललित, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेंद्र पाल सिंह, संगठन मंत्री स्वाति राजपूत, हिना, ईशा, अंजनी, आकांक्षा वर्मा, राघवेंद्र प्रताप सिंह, रंजीत बरवार समेत कई लेखपाल मौजूद रहे।

लेखपालों की मुख्य माँगे ग्रेड पे और वेतन वृद्धि

तहसील अध्यक्ष जीतेन्द्र व महामंत्री सुनील चौधरी ने बताया कि लेखपालों का मौजूदा ग्रेड पे 2000 है। उनकी मांग है कि इसे बढ़ाकर 2800 किया जाए। साथ ही, उन्हें कम से कम 24,000 एसीपी का लाभ दिया जाए।महंगाई भत्ते में वृद्धि की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है।लेखपालों को यात्रा के लिए वर्तमान में 100 मोटरसाइकिल भत्ता मिलता है, जिसे बढ़ाकर उचित दर पर दिए जाने की मांग की गई है।लेखपालों का पदोन्नति समय से नहीं हो पा रहा है। इसके अलावा, पेंशन विसंगति और वेतन विसंगति को भी दूर करने की मांग की गई है।लेखपालों के काम के बोझ को देखते हुए, उनकी मांग है कि 10 लेखपालों पर एक कानूनगो के वर्तमान अनुपात को कम करके 7 लेखपालों पर एक कानूनगो की नियुक्ति की जाए। लेखपालों का कहना है कि जब तक उनकी इन जायज़ मांगों पर सरकार ध्यान नहीं देती, तब तक वे अपने संघर्ष को जारी रखेंगे।

समाधान दिवस में सुनी गईं 187 फरियाद, आठ का निस्तारण

शनिवार को आयोजित तहसील समाधान दिवस में इस बार जिलाधिकारी जीतेन्द्र प्रताप सिंह किसी कारणवश नहीं पहुंचे, जिसके चलते सीडीओ दीक्षा जैन,सीएमओ डॉक्टर हरिदत्त नेमी ,एडीएम चंद्र शेखर और डीसीपी दिनेश चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में सुनवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई।अधिकारियों ने क्रमवार सभी फरियादियों की शिकायतें सुनीं, लेकिन बड़ी संख्या में आए आवेदनों के बीच सिर्फ 8 मामलों का ही मौके पर निस्तारण हो सका।कुल 187 शिकायतें दर्ज हुई जिनमें राजस्व, स्वास्थ्य, पुलिस एवं विकास से जुड़ी समस्याएँ प्रमुख रहीं। समाधान दिवस के दौरान सीडीओ ने दिव्यांगजन को प्रमाणपत्र भी वितरित किए।अधिकारियों ने शेष शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश संबंधित विभागों को दिए। इस दौरान एसडीएम संजीव दीक्षित, तहसीलदार अभिनव चंद्र,समेत कई विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

दोबारा अतिक्रमण हटने के बाद चकरोड निर्माण को हरी झंडी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। ग्राम गौरी अभयपुर स्थित चकरोड गाटा संख्या 362 पर दोबारा किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाकर प्रशासन ने शुक्रवार को चकरोड निर्माण कार्य पुनः शुरू करा दिया। यह चकरोड ग्रामसभा की कार्ययोजना में स्वीकृत था, किंतु पुनः कब्जा होने से निर्माण का मार्ग अवरुद्ध हो गया था।

» प्रशासनिक कार्रवाई से ग्रामीणों को मिली राहत।

शिकायतकर्ता रजोल पुत्र शालिकराम की शिकायत पर राजस्व टीम ने पहले 21 मई 2025 को चकरोड का चिन्हांकन कर कब्जा हटवाया था। बावजूद इसके पुनः अतिक्रमण कर लिया गया, जिसके बाद विकास विभाग ने दोबारा कार्रवाई का अनुरोध किया।

जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश पर उप जिलाधिकारी संजीव दीक्षित बिल्हौर के आदेशानुसार नायब तहसीलदार शिवराजपुर रंजीत सिंह यादव, खंड विकास अधिकारी नेमचन्द्र, एडीओ भीष्म सिंह तथा प्रभारी निरीक्षक शिवराजपुर की उपस्थिति में चकरोड से अवशेष अतिक्रमण हटवाया गया।

बिल्हौर : 64वें स्थापना दिवस पर लेखपालों ने मनाया स्थापना दिवस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के 64वें स्थापना दिवस पर बुधवार को बिल्हौर तहसील सभागार में लेखपालों ने गरिमामय कार्यक्रम के बीच संघ की उपलब्धियों और उसकी वर्षों पुरानी परंपरा को याद किया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थापक स्व. मुरारीलाल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई।

» संघ की एकता और गरिमा को बनाए रखने का लिया संकल्प।

तहसील लेखपाल संघ के अध्यक्ष जीतेन्द्र यादव और महामंत्री सुनील चौधरी ने संगठनात्मक मजबूती पर बल देते हुए कहा कि संघ की स्थापना 14 नवम्बर 1962 को हुई थी। तब से लेकर आज तक संघ ने लेखपाल संवर्ग के हितों व अधिकारों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि संघ की प्रतिष्ठा उसके सदस्यों की एकजुटता से ही अक्षुण्ण रहती है। एकता ही संवर्ग की वास्तविक शक्ति है।

दोनों पदाधिकारियों ने कहा कि संघ न केवल लेखपालों का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि समय-समय पर उठने वाले मुद्दों पर संवर्ग की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करता है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने सेवा, अनुशासन और सहयोग की भावना के साथ संघ की गतिविधियों को आगे बढ़ाने का संकल्प भी दोहराया। स्थापना दिवस समारोह के दौरान लेखपाल संघ जिंदाबाद के नारे भी लगे। इस दौरान तहसील के पूर्व अध्यक्ष लेखपाल ललित समेत कई लेखपाल मौजूद रहे।

सम्पादकीय

मजबूत संगठन व रणनीति से कामयाबी

बेहद जटिल सामाजिक परिस्थितियों वाले देश के बड़े राज्य बिहार का महासंग्राम आखिरकार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने जीत ही लिया। एनडीए ने बिहार में विपक्ष के महागठबंधन को करारी शिकस्त दी है। है। चौंकाने वाली बात यह है कि बिहार में भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और उसने उस राज्य में अपनी स्थिति मजबूत की है, जहां अभी तक उसका अपना मुख्यमंत्री नहीं रहा है। बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जनता दल यूनाइटेड यानी जदयू ने तमाम मुश्किलों को पार करते हुए सम्मानजनक दूसरा स्थान हासिल किया है। चुनाव से पहले नीतीश कुमार महागठबंधन के नेताओं के निशाने पर थे। उन्हें थका हुआ, बीमार और रिटायर होने वाला राजनेता बताया जा रहा था। कहा जा रहा था कि भाजपा ने नीतीश कुमार को पार्टी के मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पेश नहीं किया। नीतीश कुमार के जो आलोचक उनकी विदाई लेख लिखने की जल्दी में थे, उन्हें चुनाव परिणामों के बाद मुंह की खानी पड़ रही है।

जनता के फैसले ने बीते 2020 के विधानसभा चुनाव मे सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाले राष्ट्रीय जनता दल यानी राजद को इस बार तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। बहरहाल, इस विधानसभा चुनाव के एकतरफा नतीजों का एक निष्कर्ष यह भी है कि सत्ता के लिये भाजपा व जदयू को एक साथ ही रहना होगा। उसकी संभावना अब नजर नहीं आती। यानी नीतीश कुमार अब पलटू राम वाले अंदाज में नहीं चल सकते। उन्हें इस बात की तसल्ली मिल सकती है कि भारतीय जनता पार्टी, जिसके पास लोकसभा में पूर्ण रूप से बहुमत नहीं है, वह केंद्र में सरकार बचाने के लिये भविष्य में जदयू पर निर्भर रहेगी।दरअसल, राजनीतिक पंडित कयास लगाते रहे हैं कि नीतीश कुमार को किनारा करने की भगवा पार्टी की कोई भी कोशिश सत्तारूढ़ गठबंधन के लिये मुश्किल खड़ी कर सकती है। वहीं कहा जाता रहा है कि चिराग पासवान एनडीए की कमजोरियों का फायदा उठाने से नहीं हिचकिचाएंगे। हालांकि, भाजपा नीतीश कुमार को बाहर करने के प्रलोभन का ज्यादा देर विरोध नहीं कर पाएगी, जैसा उसने महाराष्ट्र में शिवसेना के एकनाथ शिंदे के साथ किया था। बहरहाल, एक बात तो तय है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत ने महागठबंधन को तार-तार कर दिया है।ै। बिहार चुनाव में पस्त हुए महागठबंधन के दलों के सामने अगले साल विपक्ष शासित राज्य पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले फिर से संगठित होने की एक बड़ी चुनौती होगी। ये वे तीन विपक्षी दुर्ग हैं जिनमें सत्ता हासिल करने के लिये भारतीय जनता पार्टी कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

बहरहाल, एक बात तो माननी पड़ेगी बिहार में राजग की अप्रत्याशित जीत सारथी नरेंद्र मोदी की छवि, गृहमंत्री अमित शाह की नीति-कूटनीति, भाजपा के मजबूत संगठन, नीतीश कुमार की सामाजिक कल्याण की नीतियों की देन है।। बहरहाल, राजग की महिलाओं को आर्थिक संबल की घोषणाओं, नीतीश की शराबबंदी आदि नीतियां महिला मतदाताओं को रिझाने में कामयाब रही हैं।

डीपफेक से निपटने को फौरी समाधान से आगे बढ़ें

क्षमा शर्मा

भारत को न केवल डीपफेक से, बल्कि एआई के सभी पहलुओं से निपटने के लिए एक व्यापक नियामक ढांचे की आवश्यकता है, जैसा कि यूरोपीय संघ के एआई अधिनियम में है। न कि विनियमन के लिए टुकड़ों-टुकड़ों वाली अथवा पैबंद लगाने वाले दृष्टिकोण की। केंद्र सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से उत्पन्न डिजिटल सामग्री के नियमन के लिए मसौदा नियम प्रकाशित किए हैं। वर्ष 2021 में जारी हुए सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियमों को विस्तार करते हुए, इस मसौदे में 'कृत्रिम रूप से उत्पन्न जानकारी' को भी शामिल किया गया है। ऐसी जानकारी या सामग्री को ऐसी चीज़ के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसे कंप्यूटर संसाधन का उपयोग करके कृत्रिम रूप से या एल्गोरिथम के माध्यम से निर्मित, उत्पन्न, संशोधित अथवा परिवर्तित कुछ इस तरह से किया गया हो कि वह यथोचित रूप से प्रामाणिक या सत्य प्रतीत लगे।

ये नियम विशेष रूप से डीपफेक वीडियो, ऑडियो और सिंथेटिक मीडिया के खतरे से निपटने के लिए तैयार किए गए हैं, जिनकी हाल के महीनों में सोशल प्लेटफॉर्म पर बाढ़ आई हुई है। ये 'विश्वसनीय' लगने वाले झूठ फैलाने के लिए जनरेटिव एआई की क्षमता को प्रदर्शित करते हैं। ऐसी सामग्री में व्यक्तियों को ऐसे कार्य करते अथवा बयान देते दर्शाया जाता है, जो उन्होंने कभी किया ही नहीं। एआई-जनित डीपफेक का इस्तेमाल अक्सर गलत सूचना फैलाने, किसी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने या वित्तीय धोखाधड़ी करने के लिए किया जाता है। राजनीतिक दल चुनावों के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए इनका इस्तेमाल कर सकते हैं। सरकारी एजेंसियों की अब तक की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और 'महत्वपूर्ण सोशल मीडिया मध्यस्थों' (एसएसएमआई) को 'आपत्तिजनक' सामग्री के खिलाफ परामर्श नोट जारी करना ही रही है। एसएसएमआई के पास शिकायतों और नियामक आवश्यकताओं से निपटने के लिए एक अनुपालन प्रणाली होने की जरूरत थी।

नए नियमों का उद्देश्य कृत्रिम रूप से उत्पन्न सूचना से संबंधित लेबलिंग, मूल स्रोत का पता लगाने की क्षमता और जवाबदेही के लिए एक कानूनी आधार प्रदान करना है। ऐसा तमाम एआई-जनित सामग्री को मेटाडेटा एम्बेडिंग के माध्यम से लेबल करने के लिए बाध्यकारी बनाया जाएगा ताकि कृत्रिम रूप से उत्पन्न या संशोधित जानकारी की शिनाख्त प्रामाणिक सामग्री से अलग की जा सके। सोशल मीडिया मध्यस्थ कृत्रिम जानकारी की पुष्टि और उसे चिह्नित करने के लिए उत्तरदायी होंगे। इस प्रकार प्रस्तावित उपायों में न केवल सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और मध्यस्थ को शामिल किया है, बल्कि कृत्रिम रूप से उत्पन्न जानकारी के निर्माण या संशोधन हेतु तकनीक प्रदान करने वाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंपनियां और उपकरण भी शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता टूल्स कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसी जानकारी में स्थायी, विशिष्ट मेटाडेटा, पहचानकर्ता के साथ, लेबल या एम्बेड किया हो। तंबाकू उत्पादों पर छपी वैधानिक स्वास्थ्य चेतावनी की तरह, कृत्रिम सामग्री पर लेबल को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाना चाहिए, जो विजुअल डिस्पले के कम से कम 10 प्रतिशत सतह क्षेत्र में दिखाई दे अथवा ऑडियो सामग्री के मामले में प्रारंभिक 10 फीसदी अवधि में सुनाई देता हो। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के लिए जरूरी है उपयोगकर्ताओं से यह घोषणा करने के लिए कहें कि जो जानकारी वे अपलोड कर रहे हैं कहीं वह कृत्रिम रूप से उत्पन्न तो नहीं, और प्लेटफ़ॉर्मों को ऐसी घोषणाओं को सत्यापित करने के लिए 'उचित एवं आनुपातिक' तकनीकी उपाय करने होंगे।

वर्षा जल में कीटनाशकों और प्रदूषण का बढ़ता खतरा

पृथ्वी के वायुमंडल

जयंती लाल भंडारी

कोलकाता के भारतीय विज्ञान एवं शिक्षा अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों के अनुसार, पश्चिमी घाट और हिमालय के बादलों में करीब 12 जहरीली धातुएं, जैसे कैडमियम, क्रोमियम, तांबा और जस्ता पाई गई हैं। ये धातुएं निचले प्रदूषित इलाकों से बादलों में समाहित होकर पृथ्वी के सबसे ऊंचे और संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र तक पहुंच रही हैं। बादल को पीने योग्य पानी का एक महत्वपूर्ण स्रोत माना जाता है। हालांकि, अब वर्षा के जल की शुद्धता पर सवाल उठने लगे हैं। पहले यह चर्चा में था कि हमारे वायुमंडल और खाद्य सामग्री में कीटनाशकों का मिश्रण जीवों के लिए खतरनाक हो सकता है, लेकिन अब वर्षा जल में भी इस तरह के रसायन की मौजूदगी पर चिंता जताई जा रही है।

हालिया अध्ययनों में वायुमंडलीय एयरोसोल, यानी हवा में मौजूद छोटे-छोटे कणों में भी कीटनाशक पाए गए हैं। ये कण ट्रोपोस्फीयर में भी मौजूद होते हैं, जो पृथ्वी के वायुमंडल की पहली परत है और धरती की सतह से एक से दो किलोमीटर की ऊंचाई तक फैली होती है। नए-नए अध्ययनों में यह खुलासा हो रहा है कि बादल भी जहरीली धातुओं, प्लास्टिक और माइक्रोप्लास्टिक के साथ-साथ कीटनाशकों से भी भरे होते हैं। इसने वैज्ञानिकों की चिंता को और बढ़ा दिया है, क्योंकि बादलों में मौजूद ये जहरीले तत्व और कीटनाशक बारिश की बूंदों के साथ पृथ्वी पर गिरते हैं और सभी चीजों को प्रदूषित कर रहे हैं, जिससे मानव जीवन के लिए गंभीर खतरा

उत्पन्न हो सकता है। यह खुलासा फ्रांस और इटली के वैज्ञानिकों के संयुक्त अध्ययन तथा कोलकाता स्थित भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान के अध्ययन में हुआ है। वर्ष 1990 के दशक में भी बारिश के पानी में कीटनाशकों की मौजूदगी का अध्ययन किया गया था, जिसमें जर्मन वैज्ञानिक फ्रांस ट्राटनर की टीम ने बादलों में अट्राजाइन हर्बीसाइड का पता लगाया था, जो मक्का के खेतों में इस्तेमाल होता था। हालांकि, उस समय इस रसायन की मात्रा का निर्धारण नहीं किया जा सका था, लेकिन बाद में इसे प्रतिबंधित कर दिया गया। हालिया अध्ययन में बादलों और बारिश के पानी के नमूनों में 32 प्रकार के कीटनाशकों की मौजूदगी पाई गई है। खास बात यह है कि इनकी अधिकांश किस्मों पर यूरोप में पिछले एक दशक से प्रतिबंध लागू है, जो यह दर्शाता है कि प्रतिबंध के बावजूद ये रसायन वायुमंडल में बने हुए हैं और वर्षा के पानी के माध्यम से पृथ्वी पर गिर रहे हैं। अध्ययन के अनुसार, बादल 10 से 50 माइक्रोमीटर आकार की बूंदों से बने होते हैं और यह प्राकृतिक कैमिकल रियेक्टर के रूप में काम करते हैं। सूर्य की किरणों के संपर्क में आने पर बादलों में फोटोकेमिकल प्रतिक्रिया होती है, जिसके कारण कीटनाशकों का स्वरूप बदल जाता है। इस प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप, बारिश के पानी के एक-तिहाई नमूनों में कीटनाशकों की मात्रा पीने के पानी लों में समाहित होकर पृथ्वी के सबसे ऊंचे और संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र तक पहुंच रही हैं। पूर्वी हिमालय के बादलों में प्रदूषण का स्तर पश्चिमी घाट की तुलना में डेढ़ गुना अधिक था, जिसका मुख्य कारण सिंधु-गंगा के मैदानों से होने वाला औद्योगिक और शहरी प्रदूषण है। । महाबलेश्वर के बादलों में इनकी मौजूदगी औसतन 4.1 मिलीग्राम प्रति लीटर थी जबकि दार्जिलिंग के बादलों में इनकी मौजूदगी 2 मिलीग्राम प्रति लीटर थी। दार्जिलिंग के बादलों में लोहा, जस्ता, तांबा, निकिल, कैडमियम और क्रोमियम जैसी सूक्ष्म धातुओं की मौजूदगी ज्यादा मात्रा में मिली है। इस बारे अध्ययनकर्ताओं का मानना है कि पश्चिमी घाट के महाबलेश्वर और पूर्वी हिमालय के दार्जिलिंग के बादलों के नमूनों में क्रोमियम की अधिक मात्रा के चलते कैंसरकारी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

आतंकी लिंक के बाद जीएसवीएम में छुपाया गया डॉ. शाहीन का नाम

सहकर्मियों का दावा ड्यूटी से गायब रहती थीं, व्यवहार में पक्षपात और अभद्रता की शिकायतें

» प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में पूर्व में फार्माकोलॉजी विभाग की प्रवक्ता और बाद में विभागाध्यक्ष रहीं डॉ.शाहीन सईद का नाम आतंकियों से जुड़ाव की जांच में आने के बाद कॉलेज प्रशासन में हड़कंप मच गया है। विभाग के बाहर लगे विभागाध्यक्ष के बोर्ड पर उनके नाम और कार्यकाल (1 सितंबर 2012 से 31 दिसंबर 2013) को सफेद कागज से ढंक दिया गया है। बताया जा रहा है कि छात्रों में उनके कथित राष्ट्र-विरोधी संबंधों को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही थीं, जिससे कॉलेज परिसर में तनाव की स्थिति बन रही थी।वर्ष 2006 से 2013 तक कॉलेज में प्रवक्ता रहीं डॉ.शाहीन सईद को उनके व्यवहार और कार्यप्रणाली को लेकर कर्मचारियों और कुछ शिक्षकों की ओर से शुरू से ही सवालों के घेरे में बताया गया।

राजकीय मेडिकल कॉलेज (जहां उन्हें 2009 में स्थानांतरित किया गया था) में कार्यरत रहे कर्मचारियों ने बताया कि ज्वाइनिंग के बाद वह कुछ ही बार कॉलेज में दिखीं और लगभग ड्यूटी पर उपस्थित नहीं रहीं। स्टाफ के अनुसार वह घमंडी स्वभाव की थीं, अकेले रहना पसंद करती थीं और अक्सर उनकी कार में उनके समुदाय के दो-तीन लोग मौजूद रहते थे।कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि डॉ.शाहीन मरीजों के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाती थीं। उनके समुदाय का कोई मरीज आता तो बेहद सम्मान से बात करती थीं, लेकिन अन्य वर्ग के मरीजों से अभद्रता कर देती थीं। चूंकि वह फार्माकोलॉजी विभाग में थीं, इसलिए नियमित ओपीडी में बैठना उनकी जिम्मेदारी नहीं थी, फिर भी परेशानी की शिकायतें लगातार आती रहीं।राजकीय मेडिकल कॉलेज में 2009 में एमबीबीएस मान्यता हेतु लखनऊ और कानपुर से करीब 40 शिक्षकों का स्थानांतरण हुआ था, जिनमें डॉ. शाहीन भी शामिल थीं। ज्वाइन करने के बाद वह एक दिन भी नियमित रूप से कॉलेज नहीं आईं। मान्यता के मानक पूरे न होने पर कॉलेज प्रशासन ने मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया में आवेदन वापस ले लिया और छह माह बाद डॉ.शाहीन ने अपना स्थानांतरण पुन- जीएसवीएम कानपुर करा लिया।वर्ष 2012 में एमबीबीएस का पहला बैच आया, तब तक कॉलेज में उनकी उपस्थिति और आचरण को लेकर असंतोष बढ़ता गया। अब जब उनका नाम आतंकी कनेक्शन की जांच में सामने आया, तो कॉलेज प्रशासन ने तुरंत एहतियातन बोर्ड से उनका नाम ढंक दिया है, ताकि परिसर में माहौल खराब न हो।कॉलेज प्रशासन फिलहाल मामले पर आधिकारिक बयान देने से बच रहा है, लेकिन अंदरखाने में चर्चा साफ है डॉ.शाहीन सईद को लेकर वर्षों से मौजूद संदेह अब जांच के दायरे में आने से कॉलेज की साख पर भी सवाल उठा रहा है।

स्टार्टअप्स को 10 साल तक निरीक्षण से पूरी छूट, खुद देना होगा सर्टिफिकेट

» **गैर-खतरनाक कारखानों पर अब नहीं रहेगी विभागीय पकड़, लागू हुई स्व-प्रमाणन व्यवस्था**

» **शिकायत या दुर्घटना पर ही किया जाएगा निरीक्षण, कम जोखिम वाले प्रतिष्ठानों को बड़ी राहत**

» प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। प्रदेश सरकार ने उद्योगों को अनावश्यक विभागीय हस्तक्षेप से मुक्त करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए स्व-प्रमाणन और थर्ड पार्टी ऑडिट प्रणाली लागू कर दी है। नई व्यवस्था के तहत गैर-खतरनाक श्रेणी के कारखानों और प्रतिष्ठानों का निरीक्षण अब सिर्फ पांच साल में एक बार किया जाएगा।

उद्यमी श्रम विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन श्रम कानूनों के अनुपालन की घोषणा करेंगे, जिसे ही स्व-प्रमाणन माना जाएगा।

नई श्रम नीति के अनुसार, स्टार्टअप नीति के तहत स्थापित गैर-खतरनाक कारखानों को 10 साल तक निरीक्षण से पूरी छूट दी गई है। निवेश मित्र पोर्टल पर पंजीकरण की तारीख से 10 वर्ष तक, या स्टार्टअप का दर्जा समाप्त होने तक जो भी पहले हो सिर्फ स्व-प्रमाणन से ही काम चल जाएगा।श्रम कानूनों के उल्लंघन की लिखित शिकायत, या किसी दुर्घटना की स्थिति में ही श्रमायुक्त की अनुमति से निरीक्षण हो सकेगा। जो उद्यमी स्व-प्रमाणन नहीं करना चाहते, वे सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त थर्ड पार्टी से तीन वर्ष में एक बार निरीक्षण करवा सकेंगे।श्रमायुक्त कार्यालय के आईटी प्रभारी एवं विद्युत-यांत्रिक अभियंता गौरव कुमार ने बताया कि केवल उच्च जोखिम वाले कारखानों का निरीक्षण श्रम विभाग के अधिकारी करेंगे। कम जोखिम वाले कारखाने, दुकानें और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान स्व-प्रमाणन करने पर नियमित निरीक्षण से मुक्त रहेंगे, जिससे उद्योगों पर विभागीय हस्तक्षेप नहीं होगा और व्यापार सुचारु रूप से चल सकेगा।

यहां तो बच्चों को स्कूल पहुंचने में खतरे का सामना करना पड़ता

» **ललकीपुरवा में जूनियर हाई स्कूल स्थापना के लिए मिला आश्वासन**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर घाटमपुर। घाटमपुर ब्लॉक के ललकीपुरवा गांव के निकट 5 किलोमीटर दूर जूनियर हाई स्कूल गढ़ोलामऊ में बच्चों को पहुंचने में जान जोखिम में रहती है। उन्हें भीषण यातायात वाले मुगुल मार्ग से होकर गुजरना पड़ता है, जो उनके लिए बड़ा खतरा बनी हुई है। इस हालात को लेकर समाजसेवी राहुल यादव व ग्रामवासियों ने प्रदेश के शिक्षा मंत्री को पत्र भेजकर ललकीपुरवा में जूनियर हाई स्कूल की स्थापित करने की मांग की है।

इसी कड़ी में घाटमपुर खंड शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में एक जांच दल ने गांव का स्थलीय निरीक्षण किया। टीम ने पाया कि ग्राम में उच्च प्राथमिक शिक्षा का अभाव वर्षों से शैक्षिक प्रगति में अवरोधक रहा है तथा ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत समस्या पूर्णतः वस्तुनिष्ठ एवं न्यायोचित है। जांच रिपोर्ट शीघ्र ही शासन स्तर पर प्रेषित की जाएगी, जिससे विद्यालय स्थापना का प्रशासनिक मार्ग प्रशस्त हो सके। ग्रामीणों ने कहा कि यदि जूनियर हाई स्कूल की मान्यता मिलती है तो सर्व शिक्षा अभियान की भावना 'प्रत्येक बालक-प्रत्येक बालिका शिक्षित' को वास्तविक स्वरूप मिल सकेगा। इस अवसर पर ग्राम प्रधान शंकरदयाल, प्रधानाध्यापिका गीता यादव, समाजसेवी शिवराज सिंह चौहान, तथा ग्रामीण प्रतिनिधि तिलक सिंह, कुंवर सिंह, श्री मोहन यादव, राज कुमार यादव, सुनील यादव, दीपू यादव सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे और उच्च माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था करने की मांग उठाई।

तेज रफ्तार ट्रक ने ट्राला में मारी टक्कर, ट्रक ड्राइवर की मौत

रनिया के टोरंटो पंप के पास देर रात हुआ हादसा, खलासी गंभीर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रनिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सडक़ हादसे ने हाईवे पर अफरा-तफरी मचा दी। टोरंटो पंप के पास कानपुर से अकबरपुर की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रही टेलर गाड़ी को लगभग रात लगभग 11:30 बजे पीछे से ज़ोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और चालक व परिचालक दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक सुरेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। गंभीर हालत में ट्रक चालक आशीष पुत्र वीरेंद्र, निवासी सिभोली, थाना महाराजपुर, कानपुर नगर को एंबुलेंस से जिला अस्पताल अकबरपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ट्रक का परिचालक सुमित पुत्र राजेश, निवासी रामपुर का फिलहाल जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। टक्कर में दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर हाईवे पर फैल गए थे। पुलिस ने क्रेन की मदद से वाहनों को हटवाकर रात में ही मार्ग को साफ कराया, जिसके बाद हाईवे पर यातायात बहाल हो गया। रनिया थाना प्रभारी शिवनारायण सिंह ने बताया कि किसी भी तरह की कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं है।

रोटावेटर से कटकर किशोर की दर्दनाक मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना के अटिया रायपुर में ट्रैक्टर के रोटावेटर में चढ़ते समय पैर फिसलने से किशोर की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रसूलाबाद थाना क्षेत्र अटिया रायपुर निवासी वंश 14 पुत्र करन सिंह अपने घर से 500 मीटर दूर ट्रैक्टर से हो रही खेत की जुताई को देख रहा था। इस दौरान वह ट्रैक्टर के रोटावेटर में चढने लगा। लेकिन ट्रैक्टर चला रहा उसका परिवार का भाई नहीं देख पाया। इसी दौरान रोटावेटर में चढ़ते समय वंश का अचानक पैर फिसलने से वह उसकी चपेट में आ गया। जिससे वह बुरी तरह से उस रोटावेटर से कट गया और घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वंश कहिंजरी में स्थित जनता इंटर कॉलेज में हाईस्कूल का छात्र था। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की।

गुरु के जब साकार रूप के दर्शन होते हैं तो जीवन में आ जाता निखार

» अमरोधा ब्लाक के चांदापुर में गांव में निरंकारी सत्संग आयोजित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। संत निरंकारी मिशन के महात्मा संतोष कुमार ने कहा कि सतगुरु जब जीवन में आते हैं तो निराकार इस ब्रह्म की प्राप्त हो जाती है ।अमरोधा ब्लाक के चांदापुर में गांव में आयोजित निरंकारी सत्संग में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि निराकार जब साकार गुरु के रूप में आते हैं तो साकार के दर्शन हो जाते हैं। निराकार तो हमारे अंग संग चारों तरफ व्याप्त है लेकिन गुरु जब प्रकट हो जाता है तो साकार रूप में दर्शन हो जाते हैं।

उन्होंने कहा कि गुरु की महिमा अत्यंत दुर्लभ है क्योंकि गुरु के जब साकार रूप के दर्शन होते हैं तो जीवन में निखार आ जाता है ।

जीवन की दिशा व दशा बदल जाती है।

निरंकारी महात्मा ने कहा कि जब सतगुरु की कृपा से ब्रह्म के जब दर्शन हो जाते हैं तो जीवन जीने की कलाआ जाती है । किसी के साथ व्यवहार परिवार में व्यवहार पड़ोस में व्यवहार समाज में व्यवहार करना आ जाता है ।मानवता आ जाती है जब तक मानव में मानवता नहीं है मनुष्य जीवन का कोइ अर्थ नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें जीवन में सतगुरु का दीदार करके इस परमात्मा से नाता जोडऩा है इस ब्रह्म से नाता जोडऩा है और जीवन को सांसारिक कार्य करते हुए आगे ले जाना है।

जब हम ब्रह्म को प्राप्त कर लेते हैं तो समर्पण की भावना आ जाती है अहंकार मैं इरसा घृणा नफरत समाप्त हो जाती है। दास की भावना आ जाती है, केवल और केवल सेवा भावना ही रह जाती है। यही रामचरितमानस में भी कहा गया है नर सेवा नारायण सेवा। निरंकारी आध्यात्मिक सत्संग में फूल कुमारी अंजना विनोद कुमार आदि उपस्थित थे।

संपूर्ण समाधान दिवस का बहिष्कार कर धरने पर बैठे लेखपाल

» अपनी मांगें पूरी न होने पर लेखपालों ने जताया आक्रोश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के बैनर तले रसूलाबाद तहसील में तैनात लेखपाल संपूर्ण समाधान का बहिष्कार कर धरने पर बैठ गए। लेखपाल संघ के रसूलाबाद तहसील अध्यक्ष योगेश कुमार की अगुवाई में धरने पर बैठे लेखपालों ने बताया कि विगत 9 वर्ष से उनकी कई मांगों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने अपनी मांगों के बाबत बताया कि लेखपाल पद की शैक्षणिक योग्यता एवं पदनाम परिवर्तन करने,

प्रारंभिक वेतनमान उच्चीकरण, एसीपी विसंगति, मृतक आश्रित लेखपालों की पुरानी पेंशन विसंगति,राजस्व निरीक्षक एवं नायब तहसीलदार के अतिरिक्त पद सृजन, स्टेशनरी भत्ता 100 रुपये से बढक़र 1000 रुपये किया जाएं। अंतरमंडलीय स्थानांतरण हेतु निर्गत शासनादेश 23 अगस्त 2018 के अनुपालन में अंतर मंडलीय स्थानांतरण हेतु ऑनलाइन आवेदन परिषद में मंगा लिए गए हैं। किंतु स्थानांतरण सूची आज तक जारी नहीं की गई जबकि अन्य विभागों के हजारों कर्मचारियों के स्थानांतरण हो चुके हैं।

जीते-जी मृत घोषित कर दी गई 75 वर्षीय वृद्धा कुंती देवी

वृद्धा पेंशन बंद, न्याय की तलाश में दर-दर भटक रही हैं महिला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सरकारी लापरवाही और सिस्टम की उदासीनता का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। विकासखंड सरवनखेड़ा की ग्रामसभा तिलोंची निवासी 75 वर्षीय कुंती देवी को पंचायत सचिव खुशबू श्रीवास्तव ने जीवित होने के बावजूद कागजों में 卐मृत卐 घोषित कर दिया। इस गलत रिपोर्टिंग का नतीजा यह हुआ कि वृद्धा की वृद्धावस्था पेंशन पिछले छह माह से बंद कर दी गई।

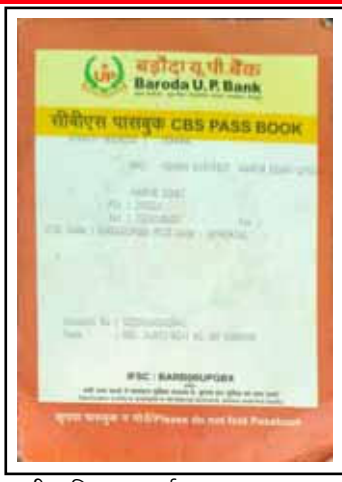

कुंती देवी ने बताया कि वह वर्षों से पेंशन पर निर्भर थीं, लेकिन अचानक पेंशन न आने पर उन्होंने समाज कल्याण कार्यालय में कारण जाना। वहाँ बताया गया कि पंचायत सचिव ने 31 मई 2025 को बिना किसी सत्यापन के उन्हें मृत दिखाते हुए रिपोर्ट भेज दी। यह सुनते ही वृद्धा के पैरों तले जमीन खिसक गई।

अपने आप को कागजों पर पुनः जीवित घोषित करवाने के लिए यह 75 वर्षीय महिला पिछले कई महीनों से दफ्तरों की सीढ़ियाँ चढ़ते-उतरते भटक रही है, लेकिन समाधान नहीं मिला।आखिरकार, 14 नवंबर 2025 को वह जिला मुख्यालय पहुँची और जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अपना दुखड़ा सुनाया।

उन्होंने पेंशन बहाली की गुहार लगाई और शिकायत की कि बिना जांच और सत्यापन के उन्हें मृत घोषित करने वाली पंचायत सचिव के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

फोन पर जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि मामला संज्ञान में ले लिया गया है।

ग्राम पंचायत सचिव की भूमिका की जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वृद्धा की पेंशन बहाली के लिए समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया गया है।

गाँव के लोग भी इस घटना को लेकर आक्रोशित हैं।

उनका कहना है कि एक जीवित वृद्धा को मृत दिखाने जैसी गंभीर लापरवाही यह दर्शाती है कि सरकारी सिस्टम में आम आदमी की तकलीफों को कितनी आसानी से अनदेखा कर दिया जाता है।

कुंती देवी की आँखों में आज भी उम्मीद है कि बस कागजों में मुझे जीवित कर देंज मेरी पेंशन वापस मिल जाएज यही मेरी गुहार है।

यह मामला बताता है कि कैसे एक छोटी-सी गलती गरीब और असहाय लोगों पर भारी पड़ सकती है। प्रशासन की जिम्मेदारी है कि ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोका जाए।

बाल दिवस पर विष्णु फाउंडेशन ने असहाय बच्चों को बांटी पाठ्य सामग्री

भीतरगांव क्षेत्र के पसेमा ग्राम में हुआ कार्यक्रम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बाल दिवस के अवसर पर विष्णु फाउंडेशन ने भीतरगांव क्षेत्र के पसेमा ग्राम में असहाय और जरूरतमंद बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित की। फाउंडेशन की ओर से बच्चों को कुल 11 प्रकार की सामग्री दी गई, जिनमें रजिस्टर, पेंसिल बॉक्स, पटरी, चांदा, पेंसिल, पेन, पुस्तकें, बैग आदि प्रमुख रहे।कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन के उपाध्यक्ष सत्यम विष्णु अवस्थी ने बताया कि उद्देश्य कमजोर वर्ग के बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का प्रसार अत्यंत जरूरी है और इसी सोच के साथ फाउंडेशन सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है।कार्यक्रम में कई स्थानीय प्रबुद्धजन उपस्थित रहे और बच्चों को शिक्षा का महत्व समझाया। इस अवसर पर फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु स्वरूप अवस्थी, उपाध्यक्ष सत्यम अवस्थी, सरोज यादव, शिवम यादव, गोलू तिवारी, परमेश त्रिपाठी, उत्कर्ष तिवारी, रिंकू चौरसिया और प्रांजुल त्रिपाठी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

उपाध्यक्ष सत्यम अवस्थी ने बताया कि अप्रैल माह में फाउंडेशन द्वारा सर्वजातीय सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें गरीब और असहाय कन्याओं का विवाह संपन्न कराया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

मिशन शक्ति: बाल दिवस पर तिरंगा थीम पर रंगारंग कार्यक्रम

बच्चों को गुड टच, बैड टच संबंधित जानकारी दी गई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी कपिल सिंह और मुख्यविकास अधिकारी क निर्देशन में और जिला प्रोबेशन अधिकारी के नेतृत्व में, महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन हेतु मिशन शक्ति 5.0 की कार्ययोजना के तहत विशेष बाल दिवस कार्यक्रम तिरंग थीम पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राजकीय बालिका इंटर कॉलेज पुखरायां और अकबरपुर के पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय संगसियापुर में किया गया। हब फॉर इम्पॉवरमेंट ऑफ वूमेन से जिला मिशन समन्वयक प्रतिमा श्रीवास्तव ने बच्चों को बाल दिवस के महत्व के बारे में बताया।

उन्होंने जानकारी दी कि 14 नवंबर को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम में बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए विद्यालय की प्रधानाचार्य द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं उपहार दिए गए। इस दौरान उन्हें शिक्षा के लिए जागरूक किया गया और गुड टच, बैड टच संबंधित जानकारी दी गई।

बालिकाओं और महिलाओं के लिए चल रही योजनाओं से संबंधित पंपलेट वितरित किए गए। साथ ही, मातृत्व वंदना योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, कन्या सुमंगला योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर, जननी सुरक्षा योजना आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके अलावा, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, वूमेन पावर लाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, साइबर हेल्पलाइन 1930 और एंबुलेंस सेवा 108 जैसे सभी टोल फ्री नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में तहसीलदार भोगनीपुर प्रिया सिंह जिला मिशन समन्वयक प्रतिमा श्रीवास्तव, वन स्टॉप सेंटर से सेंटर मैनेजर निधि सचान, चाइल्ड हेल्पलाइन से काउंसलर शीलम राजपूत, सुपरवाईजर दीपक श्रीवास्तव, विद्यालय की प्रधानाचार्य, शिक्षिका कंचन कामिनी, अध्यापक अध्यापिकाएं, और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शिक्षक के स्थानांतरण होने पर मनाया विदाई समारोह

» चौदह साल तक दिया एक ही विद्यालय में शिक्षा देकर बनाया बच्चों का भविष्य

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भारतीय परंपरा में गुरु का स्थान भगवान से भी ऊपर माना गया है, इसका जीता जागता उदाहरण विकास खंड मलासा के मलासा गांव शहीद मूरत सिंह सिविलियन विद्यालय में देखने को मिला। शिक्षक विकास कटियार का स्थानांतरण के बाद विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सहायक अध्यापक कौशल किशोर ने शिक्षक विकास कटियार को अंग वस्त्र एवं गुलदस्ता देकर विदा किया। छात्रों और सहकर्मियों ने शिक्षक को सम्मानित किया और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर भावुक पल आए, जिसमें छात्रों ने अपने प्रिय शिक्षक को विदाई दी और उनके प्रति अपना स्नेह व्यक्त किया, जबकि शिक्षकों ने उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने शिक्षकों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला और कहा कि ये सभी शिक्षक काफी कर्मठ एवं मेहनती हैं। ये जहां भी रहेंगे अपनी मेहनत के बल पर विद्यालय में शिक्षा का दीप सदैव जलाते रहेंगे। शिक्षकों के स्थानांतरण से विदाई समारोह काफी गमगीन था। काफी समय से एक ही विद्यालय में रहने के कारण शिक्षक एवं छात्रों के बीच काफी अपनत्व हो गया था। इस मौके पर शिक्षिका प्रज्ञा सिंह, शालिनी मिश्रा, ब्लॉक संसाधन केंद्र के बाबू जितेंद्र सिंह, प्रमोद सिंह कंप्यूटर ऑपरेटर आशीष, सोहन अंकित, अर्पित,अरविंद, आदि मौजूद रहे।

बिहार में एनडीए की महाविजय पर मनाया उत्सव, बच्चों संग बांटी खुशियाँ

» भाजपा नेताओं ने कहा, विपक्ष की कुटिल राजनीति को बिहार की जनता ने दिया करारा जवाब

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड और अभूतपूर्व विजय पर सरवनखेड़ा में उल्लास का माहौल देखने को मिला, जहां भाजपा नेता एवं क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि सिंह गौर व राष्ट्रीय महामंत्री शिव बरन सिंह चौहान ने भव्य उत्सव आयोजित कर जीत का जश्न मनाया। चुनाव परिणामों के साथ ही बाल दिवस के मौके पर बच्चों के बीच मिष्ठान वितरण किया। पार्टी कार्यकर्ताओं को लड्डू खिलाकर खुशियां बांटी।संयुक्त प्रेस वक्तव्य में दोनों नेताओं ने कहा कि बिहार की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व क्षमता व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रगतिशील कार्यशैली को अपने हृदय में स्थान देकर विपक्ष को करारी पराजय दी है। विपक्ष का सूपड़ा बिहार में जिस प्रकार साफ हुआ है, वैसा ही परिणाम 2027 में उत्तर प्रदेश में भी अवश्यंभावी है। नेताओं ने आगे कहा कि देशभर का विपक्ष झूठे आख्यान, कपोल-कल्पित आरोपों और प्रपंचपूर्ण प्रचार के सहारे जनता को गुमराह करने में लगा था, परंतु बिहार की विवेकशील जनता ने इस ढकोसले को भलीभाँति समझते हुए भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड समर्थन प्रदान किया। रवि सिंह गौर ने कहा कि वे पिछले 15 दिनों से बिहार के विभिन्न विधानसभाओं में सघन जनसंपर्क अभियान में जुटे थे, जनता का रुझान देखकर यह स्पष्ट हो गया था कि बिहार में एनडीए की महाविजय निश्चित है। परिणामों ने वही सिद्ध किया।

कार्यकर्ताओं में दिनभर उत्साह

सुबह से ही पार्टी कार्यालयों और कार्यकर्ताओं में रोमांच, उमंग और उल्लास का माहौल था।प्रत्येक बढ़ते रुझान के साथ उत्साह का स्तर चरम पर पहुँचता गया। दोनों नेताओं ने बिहार की जनता का आभार जताते हुए कहा बिहार की महान जनता राष्ट्रहित की भावना से प्रेरित होकर एनडीए को प्रचंड बहुमत प्रदान कर विपक्ष को लोकतांत्रिक करारा दंड दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ऊर्जावान उद्बोधन ने भी जनता को प्रफुल्लित और उत्साहित किया। कार्यक्रम में प्रहलाद सिंह राजावत, बबलू द्विवेदी, अरुण चतुर्वेदी, पंकज सिंह और विकास सिंह चौहान सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

तेज रफ्तार कार ने मारी कई गाड़ियों को टक्कर, दो बाइक सवार गंभीर

» रेलबाजार में हुए हादसे में ई-रिक्शा चालक भी घायल

» हादसे के बाद आई-10 कार का चालक मौके से फरार

» स्वराज इंडिया न्यूज

कानपुर। रेल बाज़ार थाना क्षेत्र के शिवनारायण सेतु पर सोमवार देर शाम तेज रफ्तार आई-10 कार ने अचानक नियंत्रण खो दिया और कई वाहनों में टक्कर मार दी। हादसे में बुलेट मोटरसाइकिल सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने तत्काल इलाज के लिए हैलट अस्पताल भेजा। वहीं एक ई-रिक्शा चालक धर्मवीर भी घायल हुआ, जिसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ई-रिक्शा चालक धर्मवीर के मुताबिक वह सवारी और सामान लेकर पुल से गुजर रहा था, तभी तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पहले अन्य वाहनों और फिर उसके रिक्शा से जा टकराई। धर्मवीर ने बताया कि उसकी जान बाल-बाल बची, जबकि बुलेट सवार दोनों युवकों को गंभीर चोटें आईं और उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

हादसे के बाद आई10 कार का चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची, पुल के एक तरफ का ट्रैफिक रुकवाया, घायलों को अस्पताल भेजा और फिर जाम खुलवाया। टक्कर के बाद शिवनारायण सेतु पर जाम लग गया था। जिसे पुलिस ने मशक्कत कर खुलवाया। पुलिस फरार कार चालक की तलाश में जुटी है।

केडीए के बाहर महिला का हंगामा

» पड़ोसी पर छेड़खानी और पीछा करने का आरोप

» मोतीझील स्थित विकास प्राधिकरण कार्यालय के बाहर मामला तूल पकड़ा, पुलिस ने जांच शुरू की

» स्वराज इंडिया न्यूज

कानपुर। स्वरूप नगर थाना क्षेत्र के मोतीझील स्थित विकास प्राधिकरण कार्यालय के बाहर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब डिप्टी पड़ाव निवासी शिखा पांडे ने अपने पड़ोसी पर छेड़खानी और पीछा करने का गंभीर आरोप लगाते हुए जोरदार हंगामा कर दिया।शिखा पांडे का आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले सत्यनारायण गुप्ता पिछले कई दिनों से उन्हें परेशान कर रहे हैं। पीड़िता के अनुसार, आरोपी लगातार उनका पीछा करता है, उन पर दबाव बनाता है और खुद को बड़ा वकील बताकर तरह-तरह की धमकियाँ देता है।

शिखा का कहना है कि सत्यनारायण उनका पीछा करते हुए मोतीझील तक पहुंच गया और रास्तेभर परेशान करता रहा। कार्यालय के बाहर महिला के रोते-चिल्लाते हुए हंगामे के दौरान मौके पर मौजूद लोग तमाशबीन बने रहे।सूचना पर स्वरूप नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को थाने ले जाकर पूछताछ शुरू की। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।पीड़िता शिखा पांडे ने पुलिस से सुरक्षा और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अयोध्या की मतदाता सूची का अब शुद्धिकरण

» मतदाता सूची होगी पारदर्शी

» 36,844 डुप्लीकेट नाम हुए चिन्हित, एआई की मदद से हुई पहचान, बीएलओ ने घर-घर जाकर किया सत्यापन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। जिले की ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राज्य निर्वाचन आयोग ने अयोध्या में 36,844 डुप्लीकेट मतदाताओं की पहचान कर ली है। ये नाम अब मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। बिहार चुनाव के दौरान एसआईआर विवाद के बाद आयोग ने पूरे प्रदेश में मतदाता सूचियों की गहराई से जांच शुरू की। इसी क्रम में एआई तकनीक के माध्यम से अयोध्या जिले में 2,61,898 संभावित डुप्लीकेट मतदाता चिह्नित किए

डीएम अयोध्या

गए थे।

इसके बाद 19 अगस्त से ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष पुनरीक्षण अभियान शुरू हुआ। बीएलओ को घर-घर जाकर गणना पत्रक के आधार पर जांच करने के निर्देश दिए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे की निगरानी में खंड विकास अधिकारियों को पूरे सत्यापन अभियान की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बीएलओ ने परिवारों से मुलाकात कर यह सत्यापित किया कि सूची में दर्ज नाम वास्तव में वहां रहते हैं या नहीं। जांच का नियम स्पष्ट था यदि चिह्नित व्यक्ति परिवार में मौजूद मिला तो नाम यथावत। यदि नहीं मिला, तो उसे डुप्लीकेट मानते हुए सूची से हटाया गया।यह जांच 29 सितंबर तक चली। जिले की 722 ग्राम पंचायतों से एकत्र रिपोर्ट के अनुसार, मिल्कीपुर तहसील में सर्वाधिक, जबकि रुदौली में सबसे कम डुप्लीकेट नाम मिले।

सत्यापन में जिन 36,844 संभावित डुप्लीकेट नामों के परिवार में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं मिला, उन्हें सूची से विलोपित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मतदाता सूची की यह सफाई आगामी पंचायत चुनावों में पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करने की दिशा में अहम है।

सूर्यभान
जिला निर्वाचन अधिकारी
(पंचायत)

कासु साकेत पीजी कॉलेज में छात्रसंघ चुनाव की सरगर्मी तेज

» कॉलेज प्रबंधन ने जिलाधिकारी से मांगा निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। कासु साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय में लंबे अंतराल के बाद छात्रसंघ चुनाव की आहट ने छात्र राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। कॉलेज प्रशासन ने छात्रसंघ चुनाव की दिशा में कदम बढ़ाते हुए जिले के डीएम से औपचारिक निर्देश मांगे हैं, हालांकि जिला प्रशासन से अभी तक कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिला है।

पूर्वांचल के प्रमुख कॉलेजों में शुमार कासु साकेत महाविद्यालय में वर्ष 2018 के बाद से छात्रसंघ चुनाव बंद हैं। आखिरी चुनाव में सपा छात्रसभा के आभाषकृष्ण 'कान्हा' अध्यक्ष चुने गए थे। इसके बाद चुनाव न होने से विभिन्न छात्र संगठन लगातार नाराज़ रहे और कई बार चुनाव कराने की मांग उठाते रहे, लेकिन कॉलेज प्रबंधन ने दिलचस्पी नहीं दिखाई। 20 सितंबर को समाजवादी छात्रसभा के प्रदेश उपाध्यक्ष शिवांशु तिवारी के नेतृत्व में छात्रों ने परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया था। प्राचार्य प्रो. दानपति त्रिपाठी को ज्ञापन देकर 25 अक्टूबर से पहले चुनाव की तिथि घोषित करने की मांग की गई थी।

अब कॉलेज प्रशासन सक्रिय हुआ है। प्राचार्य ने 9 अक्टूबर को जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे को पत्र भेजकर छात्रों की मांगों से अवगत कराया और बताया कि सत्र 2025ङ्क26 में छात्रसंघ चुनाव कराने के लिए छात्र लगातार दबाव बना रहे हैं। प्राचार्य ने लिखा कि प्रशासनिक सहयोग के बिना चुनाव कराना अत्यंत कठिन है और जिला प्रशासन से आवश्यक दिशा-निर्देश अपेक्षित हैं। कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि जैसे ही डीएम की ओर से निर्देश प्राप्त होंगे, चुनाव प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

बाल मेला: खेल प्रतियोगिताओं में बच्चों ने जमकर मचाया धमाल

» एसएसवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. मणिशंकर ने कहा बाल स्वरूप सर्वश्रेष्ठ

» रोचक व्यंजन के स्टाल लगाकर विद्यार्थियों ने मेले का उठाया लुत्फ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। एसएसवी इंटरमीडिएट कॉलेज में शुक्रवार को बाल दिवस पर बाल मेला और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मेला में कई रोचक और मनोहारी खेल हुए। विद्यार्थियों ने विभिन्न व्यंजन सामग्रियों के स्टाल लगाए। प्रधानाचार्य डॉ. मणि शंकर तिवारी ने बाल मेला और प्रतियोगिता का शुभारंभ केक काटकर किया।

उन्होंने कहा की बच्चे राष्ट्र का भविष्य होते हैं। ऐसे में उनके सुख-दुख, समृद्धि और सफलता का ध्यान सभी को रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि अयोध्या जैसी पवित्र भूमि पर भी भगवान श्रीराम के बाल स्वरूप रामलला की ही पूजा अर्चना होती है । जो इस बात का प्रतीक है कि बालक राम सबमें श्रेष्ठ हैं। वह शांति, सौहार्द और प्रगति का संदेश देते हैं। खेल प्रतियोगिता का नेतृत्व खेल शिक्षक जयेंद्र पाठक और संचालन विवेकानन्द पाण्डेय ने किया।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता के प्रभारी शिक्षक डॉ. देवेंद्र कुमार मिश्रा, कबड्डी प्रतियोगिता के प्रभारी शिक्षक वरीज नयन शर्मा, दौड़ प्रतियोगिता के प्रभारी शिक्षक डॉ. अशोक कुमार गौतम, साइकिल रेस प्रतियोगिता के प्रभारी शिक्षक मनोज कुमार, रस्साकसी प्रतियोगिता के प्रभारी शिक्षक अरुण कुमार दुबे, कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता के प्रभारी शिक्षक राजीव शुक्ल, चित्रकला प्रतियोगिता के प्रभारी शिक्षक रामचंद्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुतीकरण के प्रभारी शिक्षक अनिल कुमार मिश्रा और खो-खो प्रतियोगिता के प्रभारी शिक्षक नवीन यादव के निर्देशन में विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं। अंत में संगीत शिक्षक मिश्र के निर्देशन में प्रेरणागीत की भावपूर्ण प्रस्तुति हुई। आयोजन में प्रमुख रूप से जयप्रकाश चौरसिया, जग प्रसाद मौर्य, कैप्टन उमाकांत भारती, कौशल कुमार, अमर चतुर्वेदी, अशोक साहनी, नंदकिशोर उपाध्याय, शैलेंद्र सागर मिश्रा, शशांक मिश्रा, मनीष सक्सेना, अनिल कुमार वर्मा, उत्कर्ष सिंह, अक्षतेश्वर प्रसाद दुबे, अवधेश सिंह, राजेश सिंह, रवि प्रकाश श्रीवास्तव, बाल कुमार, सुमन यादव, रेनू द्विवेदी, दुर्गा प्रसाद शर्मा, संजय मल्होत्रा, आत्मानंद गुप्ता व अन्य मौजूद रहे।

बिहार जीत के बाद अयोध्या में भाजपा का विजय उत्सव

» कार्यकर्ताओं में दिखा जबरदस्त उत्साह, बांटी गई मिठाई, पटाखे फोड़े

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत के बाद अयोध्या में जश्न का माहौल देखने को मिला। भाजपा कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों, आतिशबाज़ी और शुभकामनाओं के साथ विजय उल्लास में डूबे नजर आए। सर्किट हाउस में महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव और जिलाध्यक्ष संजय सिंह के नेतृत्व में भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर पटाखे फोड़े और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी।

जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा, भाजपा विचारधारा, संगठन और समर्पण की पार्टी है। बिहार की जनता ने एक बार फिर राष्ट्रवाद और विकास के एजेंडे पर भरोसा जताया है। यह परिणाम ऐतिहासिक है। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा, इस चुनाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जनता अब जाति और परिवारवादी राजनीति को स्वीकार नहीं करती। बिहार का यह जनादेश भारत के भविष्य की दिशा तय करने वाला है। महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा, यह जीत भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का परिणाम है। बिहार की जनता ने देशहित में निर्णय लिया है।शहर के कई क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ विजय रैली भी निकाली। पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी 'खब्बू' ने अपने आवास पर जश्न मनाया। पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी 'खब्बू' ने कहा, बिहार के जनादेश ने विपक्ष की राजनीति को आईना दिखाया है। अब देश एक ही आवाज में कह रहा है—हमारे लिए विकास, सुरक्षा और राष्ट्र सर्वोपरि है। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह 'रोहित' ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मिली यह ऐतिहासिक जीत राष्ट्रवादी विचारधारा और विकास की राजनीति की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। मौके पर अभिषेक मिश्र, करूणाकर पाण्डेय सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय व पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पांडेय बादल ने स्टेट बैंक तिराहे पर ढोल नगाडो की धुन पर कार्यकर्ताओं संग मिठाई बांटी। पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, यह जीत देश की दिशा और दशा बदलने वाले नेतृत्व में जनता के विश्वास की मुहर है। कार्यकर्ताओं की मेहनत रंग लाई है। पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पांडेय 'बादल' ने कहा, यह परिणाम कार्यकर्ताओं की तपस्या और भाजपा नेतृत्व की दूरदर्शिता का प्रमाण है। आने वाला समय और बड़ी जीतों का होगा। मौके पर स्वामी परमानंद मिश्र, रघुनंदन चौरसिया, राम मोहन भारती, व्यापारी नेता शिवम्ष शुक्ला, राष्टीय खिलाडी रवि प्रकाश मिश्र सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। रोडवेज पर जिला पंचायत सदस्य इंद्र भान सिंह के नेतृत्व में कार्यकताओं ने राहगीरों को मिठाई खिला कर जीत का जश्न मनाया।

सीएम योगी ने सोनभद्र को दी 548 करोड़ की सौगात

बिरसा मुंडा की जयंती पर 432 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

» कहा- भाजपा-एनडीए सरकार ने जनजातीय समुदाय को सम्मान दिलाने का कार्य किया।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

सोनभद्र। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज शनिवार को यूपी के सोनभद्र पहुंचे। वह चोपन के रेलवे मैदान में आदिवासी महानायक बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल रहे। इस दौरान सीएम योगी ने 548 करोड़ की 432 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास भी किया।

इस दौरान जनता को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि सोनभद्र से सटे बिहार की जनता-जनार्दन ने जो फैसला दिया है, वह बताता है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार विकास, सुशासन के लिए कैसे काम कर रही है। यूपी-बिहार सांझी संस्कृति के पर्याय हैं। जिस तरह श्रीराम और माता जानकी का संबंध अटूट है, उतना ही अटूट संबंध यूपी-बिहार का भी है।

कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा के प्रति भी हमारी उतनी हीं अटूट श्रद्धा है। बिरसा मुंडा ने अपवा देश-अपवा राज का नारा दिया था, वह आज भी हमारा प्रेरणास्त्रोत है।

आज जनजातीय समाज तेजी से विकास में योगदान दे रहा है। आज से 125 साल पहले जब साधन-संसाधन नहीं थे, तब भी हमारा जनजातीय समाज भारत के स्वाधीनता से जुड़कर आंदोलन कर रहा था।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के अलावा समाज कल्याण विभाग के मंत्री असीम अरुण, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, जिले के प्रभारी मंत्री रवींद्र जायसवाल, समाज कल्याण विभाग के राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड भी मौजूद रहे।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर 'जनजातीय गौरव दिवस' कार्यक्रम में मंच पर अरुणाचल प्रदेश और सोनभद्र के कलाकारों ने आदिवासी लोकनृत्य करमा की प्रस्तुति दी। इस दौरान कलाकारों की प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लिया। सीएम योगी रेलवे ग्राउंड में आदिवासी सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया। परियोजनाओं के लोकार्पण-शिलान्यास के बाद जिले की विकास और पर्यटन पुस्तिका का भी विमोचन किए। सीएम यहां रेल कर्मचारी इंटर कॉलेज के परिसर में निवेशकों, अफसरों के साथ बैठक भी लेंगे।

30.78 करोड़ से जिला ग्राम्य विकास संस्थान के अनावासीय व आवासीय भवन, 24.59 करोड़ से नवीन समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, 12.51 करोड़ से घोरावल-कोहरथा-शिवद्वार मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण, 11 करोड़ से नवसृजित ओबरा तहसील के आवासीय भवन, 8.54 करोड़ से थाना जुगैल में टाइप-ए के 3 और टाइप-बी के 23 आवास, 5.22 करोड़ से नगर पालिका परिषद में कल्याण मंडपम का शिलान्यास किया गया।

इन प्रमुख परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास

79.86 करोड़ से सोन नदी पर घोरावल-शिल्पी-कोड़ारी मार्ग पर कोलिया घाट में निर्मित पुल, 25.89 करोड़ से बलुई-मीतापुर मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, 13.68 करोड़ से उरमौरा-राजपुर रोड वाया बसौली-बहुआर-रघुनाथपुर-सिंदुरी मार्ग का चौड़ीकरण, 12.37 करोड़ से 48वीं वाहिनी पीएसी में 200 व्यक्तियों की क्षमता की बैरक का लोकार्पण, 9.62 करोड़ से पुलिस लाइन में 150 पुलिसकर्मियों के लिए हॉस्टल-बैरक का लोकार्पण प्रमुख है।

पूर्व मुख्य सचिव स्टेट ट्रांसफार्मेशन कमीशन के सीईओ बनाए गए

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय लेते हुए पूर्व मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह को राज्य के स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन (एसटीसी) का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। यह नियुक्ति राज्य के विकास योजनाओं को गति देने और नीतिगत सुधारों को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एसटीसी को राज्य की आर्थिक प्रगति का प्रमुख इंजन बनाने की दिशा में यह कदम अहम माना जा रहा है। नियुक्ति अगले 3 साल के लिए की गई है। राज्य योजना विभाग के प्रमुख सचिव मनोज कुमार सिंह की ओर से यह आदेश जारी किया गया है। मनोज कुमार सिंह सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं, जो 1988 बैच के उत्तर प्रदेश कैडर से हैं। झारखंड के रांची के मूल निवासी सिंह को योगी सरकार में ट्रस्टेड ब्यूरोक्रेट के रूप में जाना जाता है। उन्होंने गौतम बुद्ध नगर, पीलीभीत, मुरादाबाद, अलीगढ़ और ललितपुर जैसे जिलों में जिलाधिकारी के रूप में सेवा दी। कोविड-19 महामारी के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरस नियंत्रण और बीसी सखी योजना (दरवाजे पर बैंकिंग) के क्रियान्वयन में उनकी भूमिका सराहनीय रही। मनोज कुमार सिंह स्वच्छ भारत अभियान के तहत प्रदेश के सभी 75 जिलों को खुले में शौच मुक्त घोषित करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे चुके हैं।

उज्ज्वल राणा आत्महत्या प्रकरण: आरोपी प्रधानाचार्य को पुलिस ने किया गिरफ्तार

» मुजफ्फरनगर, स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

छात्र उज्ज्वल राणा की मृत्यु के मामले में कार्रवाई तेज हो गई है। डीएवी डिग्री कॉलेज बुढ़ाना के प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनके खिलाफ सात नवंबर को पहला मुकदमा दर्ज किया गया था। अभियोजन पक्ष का आरोप है कि परीक्षा शुल्क को लेकर विवाद के बाद कॉलेज में प्राचार्य और कुछ लोगों ने छात्र के साथ दुर्व्यवहार किया, जिसके बाद छात्र ने चरम कदम उठाया। पुलिस की ओर से बताया गया कि मामले में दर्ज एफआईआर के आधार पर कार्रवाई आगे बढ़ाई गई है। प्राचार्य की ओर से अंतरिम जमानत की अर्जी भी दाखिल की गई थी, जबकि परिजनों ने जांच में तेजी और निष्पक्षता को लेकर कई बार प्रशासन तक अपनी बात पहुंचाई।

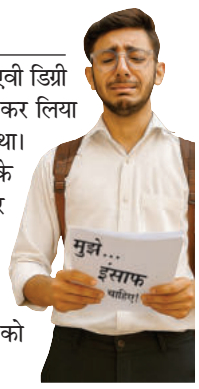

ओवरलोड सिंडिकेट: आरटीओ विभाग के कई अधिकारियों पर गिर सकती है गाज

भ्रष्टाचार का भंडाफोड़

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। लखनऊ के एआरटीओ प्रवर्तन और पीटीओ के खिलाफ ओवरलोडिंग ट्रकों को पास कराने को लेकर हुई एफआईआर के बाद यहां पर तैनात रहे पुराने अफसर भी एसटीएफ की रडार पर है। पकड़े गए दलाल के पास से बरामद डायरी से परिवहन के कई अधिकारियों की गर्दन फंस सकती है।

ओवरलोडिंग सिंडिकेट का भंडाफोड़ होने के बाद परिवहन विभाग में हड़कंप मच गया है। गिरफ्तार दलाल अभिनव पांडेय के पास से बरामद तीन रजिस्टर में एसटीएफ को 14 साल का रिकॉर्ड मिला है। जिसमें विभाग को जाने वाली रकम, रूट चार्ट, तारीख और गाड़ियों के मालिक /चालक का नाम व मोबाइल नंबर दर्ज है। एसटीएफ ने दर्ज मामले में एआरटीओ राजू बंसल, पीटीओ मनोज भारद्वाज समेत 9 को आरोपी बनाया है। गिरफ्तार आरोपी अभिनव के बयान के बाद पूर्व आरटीओ व तत्कालीन एआरटीओ समेत कई अन्य रडार पर हैं।

एसटीएफ और पुलिस सभी की कुंडली खंगाल रही है। जांच अधिकारी एसीपी अलीगंज सैयद अरीब अहमद ने बताया कि आरटीओ लखनऊ को एफआईआर के साथ एक नोटिस भेजी गई है। आरोपी एआरटीओ राजू बंसल, पीटीओ मनोज भारद्वाज, दीवान अनुज व गिरिजेश के बारे में जानकारी मांगी गई है। साक्ष्य जुटाने के बाद एआरटीओ, पीटीओ व दोनों दीवान को नोटिस भेजकर बयान के लिए बुलाया जाएगा। साक्ष्य के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एसीपी के मुताबिक आरोपी अभिनव पांडेय के वॉट्स ऐप अकाउंट को खंगाला जा रहा है। आरोपी ने वॉट्स ऐप से काफी चैट डिलीट भी की है। पुलिस वॉट्स ऐप से बैकअप रिकवर कराने का प्रयास कर रही है। आरोपी अभिनव पांडेय के पास बरामद मोबाइल में NDERLOD01 नाम से वॉट्स ऐप ग्रुप मिला था। जिसमें 122 लोग हैं। चेक करने पर सुनील सचान व अन्य लोगों की ओर से गाड़ियों की लोकेशन, क्लीयरेंस के ऑडियो व मेसेज किए गए थे। पुलिस ग्रुप में जुड़े 122 लोगों की कॉल डिटेल खंगालेगी।

मात्र 51 चालान ही हुए

एसटीएफ और मड़ियांव पुलिस ने छानबीन की तो पता चला कि लखनऊ में प्रतिदिन 1500 ओवरलोडिंग वाहन आते-जाते है। एक-दो वाहन पर कार्रवाई कर अन्य ओवरलोडिंग वाहन को प्रर्वतन की टीम की मदद से पास कराया जाता था। अक्टूबर माह में ही लखनऊ से करीब 46 हजार से अधिक ओवरलोड वाहन गुजरे। प्रवर्तन टीम ने 51 ओवरलोड वाहनों का चालान कर करीब 13 लाख रुपये वसूलने के साथ ही 31 वाहन बंद किए।

दरअसल, 11 नवंबर की देर रात एसटीएफ और मड़ियांव पुलिस की संयुक्त टीम ने भ्रष्टाचार में लिप्त परिवहन विभाग और दलालों के सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए एक दलाल अभिनव पांडेय और डंपर चालक कपिल को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया था कि दलाल आईआईएम रोड पर ओवरलोड वाहनों को पास कराने के नाम पर ट्रांसपोर्टर व ट्रक मालिक से प्रति गाड़ी सात हजार रुपये लेते थे। पांच से छह हजार रुपये एआरटीओ व पीटीओ समेत अन्य को जाता था। शेष रकम दलाल रखते थे। सभी गाडियों और लेनदेन का रिकार्ड रजिस्टर में दर्ज होता था। निरीक्षक ज्ञानेंद्र कुमार राय ने मड़ियांव थाने में अभिनव पांडेय, कपिल, पूर्व में आरटीओ के निजी चालक रहा विनोद यादव निवासी मऊ हालपता भव्यपुरम कॉलोनी नरपतखेड़ा पारा, एआरटीओ लखनऊ राजू बसल, पीटीओ मनोज भारद्वाज, दीवान अनुज, गिरिजेश, रितेश कुमार पांडेय और सुनील सचान के खिलाफ मड़ियांव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

प्रदेश के 320 कर्मचारियों की नौकरी पर लटकी तलवार

राजधानी लखनऊ में ट्रांसपोर्टनगर आरटीओ सहित प्रदेश के सभी आरटीओ व एआरटीओ में तैनात स्मार्ट चिप कंपनी के 320 कर्मचारियों को बाहर करने की तैयारी है। इससे ड्राइविंग लाइसेंस बनने से लेकर प्रिंटिंग तक का काम प्रभावित हो सकता है। आवेदकों को दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है। ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने से लेकर बायोमेट्रिक तथा नए डीएल की प्रिंटिंग व उन्हें आवेदकों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की ओर से निजी एजेंसी को दी गई। लखनऊ में 28 व प्रदेशभर में 320 कर्मचारियों से यह कार्य पूरा करवा रही है। अफसरों ने कंपनी के कर्मचारियों को बाहर करने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रदेशभर के कर्मचारी इस मुद्दे को लेकर परिवहन आयुक्त से मुलाकात कर अपनी बात रखने की तैयारी में हैं। कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें महज 10-12 हजार रुपये सैलरी मिलती है। ऐसे में उन्हें हटा देने से जीविका का संकट खड़ा हो जाएगा।

खींचतान पर नजर

वर्तमान एआरटीओ प्रवर्तन ने हाल ही में यहां पर जॉइन किया है। चर्चा है कि उनके मातहत प्रमोशन नहीं मिलने से अभी उसी पद पर कार्यरत है। साथ ही लंबे समय से लखनऊ में तैनात भी है। सूत्रों ने बताया कि वर्तमान एआरटीओ प्रवर्तन की अपने मातहतों से ट्यूनिंग ही बन पाई थी। इस बीच यह बड़ी कार्रवाई हो गई है।